

प्रदूषण काबू करने में कारगार होगी कबाड़ नीति

नई स्क्रेप (कबाड़) नीति के लागू होने के साथ सड़क पर वहीं गाड़ियां रफ्तार भरेगी, जो फिट होंगी। वहीं, स्क्रेप सर्टिफिकेट वालों को ही नई गाड़ी की खरीद पर छूट मिलेगी। साथ ही साथ इस नीति के लागू होने से शहर की हवा भी सुधरेगी। सड़कों पर होने वाली दुर्घटना भी कम होगी। आइए जानते हैं कि क्यों इसकी जरूरत पड़ी और क्या होंगे फायदे।

15

साल बाद कबाड़ घोषित हो सकेगी कमशियल गाड़ी

20

साल बाद निजी गाड़ी को कबाड़ घोषित किया जा सकेगा

02

करोड़ से ज्यादा वाहनों का पंजीकरण 2005 से पहले का है

40

हजार रुपये सालाना का नुकसान होता है पुरानी कार चलाने से



दावा: रोजगार पैदा होंगे

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को गांधीनगर में कहा, कबाड़ नीति से सभी अंशधारकों को फायदा होगा और इससे विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस नीति से रोजगार के अवसरों का सृजन होगा तथा केंद्र और राज्यों दोनों को 40,000 करोड़ रुपये का जीएसटी मिलेगा।

खतरनाक हैं पुरानी गाड़ियां

1 15 से 20 साल पुराने वाहनों में सीट बेल्ट और एयरबैग आदि नहीं होते। जिससे ऐसे वाहनों में सफर जानलेवा होता है

2 नए वाहनों में कहीं ज्यादा सुरक्षा मानकों का पालन होता है। नए वाहनों से होने वाले एक्सीडेंट में हेड इंजरीज की दर भी कम होगी

गाड़ी 20 साल पुरानी है तो क्या करना होगा

- गाड़ी मालिक को ऐसे वाहनों को रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रेपिंग फेसिलिटी को सौंपना होगा
- साथ में वाहन का रजिस्ट्रेशन, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज देना होगा
- इसके बाद स्क्रेप करने वाली एजेंसी चोरी के वाहनों के रिकॉर्ड से गाड़ी का मिलान करेगी
- इसके बाद सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट जारी होगा। इसे दिखाकर आप नए वाहन पर छूट पा सकेंगे

नए वाहन खरीदने पर छूट मिलेगी

- स्क्रेप सर्टिफिकेट को शो-रूम पर दिखाने पर नए वाहन पर 5% तक की छूट मिलेगी
- नए वाहन की रजिस्ट्रेशन फीस को माफ हो जाएगी
- राज्य सरकार ऐसी गाड़ियों पर रोड टैक्स में भी छूट देगी